पत्रांक : 63/11 ज.
दिनांक : 08.07.2011

प्रेषक :

lj;| jk;]
402, लोटस अपार्टमेंट
डोरण्डा, राँची।

सेवा में,

i/kku lfpo
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
झारखंड सरकार, राँची।

विषय : रिंग रोड (राँची) निर्माण के फलस्वरूप स्वर्णरेखा नदी एवं हटिया डैम में आने वाला बरसाती जल प्रवाह बाधित होने के संबंध में।

महाशय,

आपको स्मरण होगा कि 22 मार्च 2011 के दिन विश्व जल दिवस के अवसर पर आयोजित सेमिनार में आपकी एवं मुख्य सचिव की उपस्थिति में राँची केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.टी. खटिंग तथा कतिपय अन्य विशेषज्ञों ने कहा था कि राँची के चारो ओर बन रहे रिंग रोड तथा अन्य बेतरतीब निर्माण कार्यों के फलस्वरूप स्वर्णरेखा नदी में गिरने वाला जल प्रवाह एवं हटिया डैम में आने वाली जल की मात्रा बाधित हो रही है।

आप सहमत होंगे कि वर्ष 2010–11 में अपेक्षाकृत काफी कम बारिस (लगभग 850 मि.मि.) होने के कारण हटिया डैम में जल संग्रह काफी कम हुआ। जबकि इसके नीचे स्वर्णरेखा नदी पर बने गेतलसूद डैम में पर्याप्त जल संग्रह हुआ। इसके पहले भी कतिपय वर्षों में बारिस काफी कम होने के बावजूद हटिया डैम का जल संग्रह इस प्रकार प्रभावित नहीं हुआ था। स्पष्ट है कि गत वर्ष हटिया डैम में पानी की कमी का एक मात्र कारण केवल कम बारिस होना ही नहीं है बल्कि कतिपय अन्य कारण भी हैं जिनमें रिंग रोड का निर्माण भी प्रमुख है।

मुझे जानकारी प्राप्त हुई है कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने इस समस्या के निराकरण संबंधी अध्ययन हेतु एक निविदा आमंत्रित किया था जिसे अंततः रद्द कर दिया गया। रिंग रोड निर्माण के पहले राज्य सरकार द्वारा इस विषय पर आवश्यक अध्ययन करा लिया जाना चाहिए था ताकि इसके निष्कर्षों के आधार पर रिंग रोड में पर्याप्त स्थानों पर पुल–पुलिया बना कर जल प्रवाह की समुचित व्यवस्था की जा सके। ऐसी स्थिति में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा अध्ययन कराये जाने की पहल सराहनीय कही जा सकती है।

मेरा सुझाव है कि प्रासंगिक निविदा रद्द हो जाने के बावजूद यह अध्ययन विभागीय स्तर पर अवश्य कराया जाना चाहिए। इसके लिए राज्य सरकार अन्य विभागों, जैसे–जल संसाधन विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग, पथ निर्माण विभाग, वन एवं पर्यावरण विभाग तथा विश्वविद्यालय आदि के विशेषज्ञों का एक बहुआयामी समूह गठित कर समुचित अध्ययन किया जा सकता है। मेरा मानना है कि अभी भी राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में ऐसे विशेषज्ञों की कमी नहीं है जिनकी योग्यता एवं क्षमता किसी भी परामर्शी संगठन के विशेषज्ञों के समतुल्य अथवा अधिक है।

अगर ऐसा अध्ययन किए वगैर रिंग रोड सहित अन्य निर्माण कार्य स्वर्णरेखा नदी के ऊपरी जल ग्रहण क्षेत्र में होता रहेगा तो उससे न केवल हटिया डैम की प्रासंगिकता धीरे–धीरे समाप्त हो जायेगी, बल्कि राँची के जन–जीवन तथा व्यावसायिक एवं औद्योगिक गतिविधियों पर भी इसका प्रतिकुल प्रभाव पड़ेगा।

अतः अनुरोध है कि राँची के समीपवर्ती परिधीय इलाकों में योजनाबद्ध एवं समन्वित विकास सुनिश्चित करने के लिए यह अध्ययन अतिशीघ्र सम्पन्न कराने की दिशा में आवश्यक निर्णय लिया जाए।

सधन्यवाद,

¼lj;| jk;½